

मुख्यालय पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश

1-तिलाक मार्ग लखनऊ।

पत्र संख्या-डीजी-परिपत्र संख्या- **73** / 2015

दिनांक: ~~अक्टूबर~~ **नवम्बर** १, 2015

सेवा में,

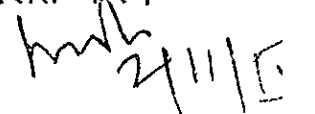
समस्त वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षक,
उत्तर प्रदेश।

विषय: अवैध शराब व मादक पदार्थों के व्यवसाय में लिप्त सक्रिय संगठित गिरोह के सरगना व सदस्यों जिनके पास से वृहद मात्रा में अवैध शराब / मादक पदार्थों की बरामदगी होती है, के विरुद्ध उ०प्र० गिरोहबन्द और समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम 1996 के तहत कार्यवाही किये जाने के सम्बन्ध में।

उ०प्र० गिरोहबन्द उ०प्र० गिरोहबन्द और समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम 1996 की धारा-2(ख)(दो) में यह उपलब्ध है कि

“ संयुक्त प्रान्त आबकारी अधिनियम, 1910 (संयुक्त प्राप्त अधिनियम सं०-4 सन् 1910) या नारकोटिक ड्रग्स एण्ड साइकोट्रापिक सब्सटैन्सेज एक्ट, 1985 (अधिनियम सं० 61 सन् 1985) या तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि के किन्हीं उपबन्धों का उल्लंघन कर किसी शराब या मादक या अनिष्टकर मादक द्रव्य या अन्य मादकों या स्वापकों का आसवन या निर्माण या संग्रह या परिवहन या आयात या निर्यात या विक्रय या वितरण या किन्हीं पौधों की खेती करना समाज विरोधी क्रियाकलाप के रूप में परिभाषित है। ”

उक्त अधिनियम के सम्बन्ध में आप सभी को निर्देशित किया जाता है कि ऐसे आपराधिक गिरोह के सरगना व सक्रिय सदस्यों, जिनके द्वारा अपने आर्थिक व भौतिक लाभ के लिये अवैध शराब/मादक पदार्थों का व्यवसाय, परिवहन, आयात व निर्यात, विक्रय किया जाता है तथा उनके पास से वृहद मात्रा में शराब/मादक पदार्थों की बरामदगी होती है, उनके विरुद्ध उक्त अधिनियम के तहत कार्यवाही किये जाने हेतु अधीनस्थों को निर्देशित करें।



(जगमोहन यादव)

पुलिस महानिदेशक, उ०प्र०
मुख्यालय पुलिस महानिदेशक,
उ०प्र०, लखनऊ।